24/1/2017
अमर उजाला

सभी भाषाओं की जननी है संस्कृत

रघुनाथ कीर्ति परिसर में आयोजित व्याख्यानमाला में बोले संस्कृत विद्वान

अमर उजाला ब्यूरो

देवप्रयाग।

संस्कृत विद्वानों की व्याख्यान माला में सोमवार को संस्कृत व्याकरण की बारीकियों और उसके महत्व के बारे में बताया गया। विद्वानों ने कहा कि संस्कृत भाषा सभी भाषाओं की जननी है।

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में आयोजित संस्कृत विद्वानों की व्याख्यान माला में देश भर के संस्कृत विद्वान प्रतिभाग कर रहे है, जो 31 जनवरी तक चलेगी।

व्याख्यान माला के पहले दिन व्याकरण विभाग की ओर से 'महाभाष्यस्य लौकिकालौकिकोपयोगितम' विषय पर गोष्ठी आयोजित की गई।

शब्दों में जल को पवित्र करने तक की शक्ति समाहित

कोलकाता यूनिवर्सिटी के संस्कृत प्रोफेसर तन्मय भट्टाचार्य ने संस्कृत व्याकरण की बारीकियों के साथ ही इसके महत्व के बारे में बताया। कहा कि संस्कृत का स्वरूप वृहद् है और इस पर अभी व्यापक स्तर पर शोध की आवश्यकता है। संगोष्ठी संयोजक प्रो. बनमाली बिस्वाल ने कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं का मूल है। इसका संरक्षण और प्रचार-प्रसार जरूरी है। वहीं कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. केबी सुब्बरायडू ने धर्म-अध्यात्म में संस्कृत का महत्व बताया। उन्होंने संस्कृत और संस्कृति को एक-दूसरे का पूरक बताया। पतंजलिसम्मत शब्दस्वरूपम विषय पर आयोजित व्याख्यान माला में पतंजलि योगपीठ में आयुर्वेदीय प्राचीन हस्तलिपि कार्य में संपादन कर रहे प्रो. विजयपाल शास्त्री ने संस्कृत के शब्द स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शब्दों की सामर्थ्य और शक्ति असीम होती है। इनमें जल को पवित्र करने तक की शक्ति समाहित है। इस मौके पर परिसर के प्राध्यापक डॉ. आर. बालामुरगन, डॉ. प्रफुल्ल गड़पाल, डॉ. शैलेंद्र नारायण कोटियाल, डॉ. सुशील बडोनी, डॉ. मुकेश शर्मा, डॉ. अरविंद गौर, डॉ. वीरेंद्र बर्त्वाल, डॉ. निपुण चौधरी, श्रीओम शर्मा, डॉ. सुरेश शर्मा, पंकज कोटियाल, संदीप रावत आदि मौजूद थे।

24/1/2017
हिन्दुस्तान

संस्कृत विषय की महत्ता को बताया

देवप्रयाग। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की ओर से रघुनाथ कीर्ति परिसर में नौ दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों को व्याकरण विषय पर जानकारी दी गई।

सोमवार को रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में आयोजित संगोष्ठी का उद्घाटन प्रो.तन्मय भट्टाचार्य ने किया। उन्होंने छात्रों को महाभारत लौकिका को प्रयोगितम विषय पर संस्कृत व्याकरण की बारीकियों से अवगत कराया। कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। इस पर व्यापक शोध की आवश्यकता है।

प्राचार्य प्रो.केबी सुब्बाराव ने कहा कि धर्म व अध्यात्म में संस्कृत का विशेष महत्व है। संस्कृत व संस्कृति एक दूसरे के पूरक हैं। यहां डॉ.आर बालमुरगन, प्रो. विजयपाल शास्त्री, डॉ. प्रफुल्ल गडपाल, डॉ. वीरेंद्र बर्थवाल मौजूद रहे।

26/1/2017-अमर उजाला

marujala.com

अमर उजाला

गंगा की चिंता और राजनीति पर कटाक्ष

रघुनाथ कीर्ति परिसर में आयोजित हुआ राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

अमर उजाला ब्यूरो

श्रीनगर।

विभिन्न विषयों की राष्ट्रीय संगोष्ठियों के तहत आयोजित कवि सम्मेलन में कवियों ने जहां अपनी कविताओं के माध्यम से गंगा की दुर्दशा पर चिंता जताई वहीं वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर कटाक्ष भी किए।

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान' के देवप्रयाग स्थित श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में राष्ट्रीय संगोष्ठियों के तहत बुधवार कवि सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें डा. मुकेश कुमार ने 'निर्दय दुर्जनकर मलिना सा गंगा कथय कथं शुद्धेतिम' के माध्यम से बताया कि

विभिन्न विषयों की राष्ट्रीय संगोष्ठियों के तहत हुआ सम्मेलन

गंगा न केवल सीवर और कारखानों की गंदगी से प्रदूषित होती है, बल्कि उसमें धर्म के नाम पर अधजले शव बहाने से भी उसमें गंदगी होती है। इस पर पाबंदी लगनी चाहिए।

वहीं डा. वीरेंद्र बर्त्वाल ने राजनीति पर कटाक्ष करती गढ़वाली रचना ये लोकतंत्र मा लोग रम्या छन, पव्वा प्येक कुछ लोग चल्यां छन सुनाई। डा. शैलेंद्र नारायण कोटियाल ने 'जय-जय श्रीगंगे हिमगिरितनये' रचना के जरिये गंगा की पवित्रता और उसकी संपूर्ण जीवन यात्रा का रेखांकन किया। डा. शैलेंद्र उनियाल ने 'देवप्रयागे हि सुरम्यतीर्थे यशांसि गायामिरघूत्तमस्य' रचना सुनाई। डा. मनीष जुगरान ने श्रृंगार आधारित रचना के माध्यम से बताया कि हमारी मनःस्थिति के अनुसार ही हमें कोई चीज अच्छी और बुरी लगती है। इसके अलावा प्रो. बनमाली विस्वाल, डा. निरंजनमिश्र, डा. नारायण दास, डॉ. श्रेयांश द्विवेदी ने भी अपनी प्रसिद्ध रचनाए सुनाईं। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. केवी सुब्बरायडू व संचालन डा. नारायण दास ने किया। उधर, संस्कृत साहित्य की संगोष्ठी में अनेक विद्वानों ने कथा साहित्य पर शोधपत्र पढ़े।

29/1/2017
हिन्दुस्तान

'ज्योतिष है प्रमाण आधारित शास्त्र'

देवप्रयाग। रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में राष्ट्र स्तरीय ज्योतिष शास्त्र संगोष्ठी हुई। इसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए ज्योतिष शास्त्रियों ने ज्योतिष विद्या के योगदान पर प्रकाश डाला।

शनिवार को संगोष्ठी का उद्घाटन ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि ज्योतिष का उपयोग जन कल्याण के लिए होना चाहिए। ज्योतिष काल्पनिक नहीं बल्कि प्रमाण आधारित शास्त्र है। ज्योतिष एक ऐसा विज्ञान है जिसका अनुसरण भूगोल व खलोग शास्त्र भी करता है। कार्यक्रम में डॉ. शैलेंद्र नारायण कोटियाल ने ज्योतिष क्षेत्र में उत्तराखंड के योगदान पर प्रकाश डाला। गोष्ठी में विद्धानों ने गढ़वाली लोकगाथाओं में ज्योतिष संबंधी प्रसंगों की जानकारी साझा की। मंत्रों के उच्चारण से मन एकाग्र होता है और रोगों से मुक्ति मिलती है। इस मौके पर डॉ..वीरेंद्र बर्तवाल, डॉ. सुशील बडोनी, डॉ. विजेंद्र शर्मा, प्रो. बनमाली बिस्वाल, प्रो. केबी सुब्बा रायडू, डॉ. प्रफुल्ल गड़वाल, डॉ. शैलेंद्र उनियाल, डॉ. अरविंद गौड़, डॉ. निपूर्ण चौधरी, श्रीओम शर्मा, पंकज कोटियाल, संदीप रावत मौजूद रहे।

01/02/2017
हिन्दुस्तान

पाठ्यक्रम में शामिल हो गढ़वाली बोली

देवप्रयाग। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में आयोजित नौ दिवसीय संगोष्ठी का समापन हो गया है। कार्यक्रम में गढ़वाली बोली को पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने पर जोर दिया गया। संस्थान के प्राचार्य केबी सुब्बाराव ने गोष्ठी का समापन किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए लोकभाषाओं को संरक्षण करना संस्थान का मुख्य उद्देश्य है। साथ ही निकटवर्ती विद्यालयों में संस्कृत संभाषण शिविर लगाकर संस्कृत भाषा को बढ़ावा दिया जाएगा। गढ़वाल विवि की हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. कुसुम डोभाल ने हिन्दी व संस्कृत के परस्पर संबंधों की विवेचना की। कहा कि सभी भाषाओं की जननी संस्कृत है तथा अंत तक इसकी महत्ता बनी रहेगी। प्रो. सुखनंदन सिंह ने कहा कि लचीलेपन के कारण हिन्दी बहुसंख्यक लोगों की भाषा बनी है। संस्कृत को व्याकरण की सीमाओं से मुक्त करना होगा।

इस मौके पर उत्तराखंड संस्कृत विवि कुलपति प्रो. पीयूष कांत दीक्षित, डॉ. राखी उपाध्याय, प्रो. डीआर पुरोहित, डॉ. वीरेन्द्र बर्तवाल, डॉ. अजय परमार, डॉ. अरविंद गौर, डॉ. आर बालमुरुगन, प्रो. वनमाली विश्वाल, डॉ. सस्मिता मलिक, डॉ. गुड्डी चमोली मौजूद रहे।

amarujala.com अमर उजाला 22/03/2017

संस्कृत में वार्तालाप के लिए करेंगे प्रेरित

देवप्रयाग में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान का वार्षिकोत्सव संपन्न

अमर उजाला ब्यूरो

देवप्रयाग।

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर का वार्षिकोत्सव मंगलवार को रघुनाथ वार्तावली पत्रिका प्रवेशांक के विमोचन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि की ओर से कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संस्थान के परिसर निर्माण के बारे में जानकारी दी गई।

समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता एससी भारद्वाज ने कहा कि भारतीय संस्कृति ही संस्कृत की मुख्य देन है। देवप्रयाग में संस्कृत संस्थान की स्थापना भविष्य में संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार का प्रमुख केंद्र बन सकता है। बताया कि संस्थान के परिसर के प्रथम चरण के निर्माण के लिए भारत सरकार को 92 करोड़ का इस्टीमेट भेजा गया है। अभी 2.35 करोड़ की लागत से परिसर की चहारदीवारी का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है, जबकि परिसर का निर्माण कार्य पूरा होने में करीब चार साल का समय लग सकता है।

श्री रघुनाथ कीर्ति संस्कृत संस्थान देवप्रयाग की वार्षिक पत्रिका का विमोचन करते हुए अतिथिगण।

कार्यक्रम में संस्थान के प्राचार्य केबी सुब्बारायुडु ने कहा कि संस्कृत भाषा को लेकर देवप्रयाग के विद्वानों ने वर्षों पूर्व जो संकल्प लिया था, वह अब परिसर के निर्माण के साथ पूरा हो गया है। प्राचार्य ने कहा कि संस्थान के प्रचार-प्रसार के लिए अखिल भारतीय युवा महोत्सव का आयोजन करवाया जाएगा, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से आठ सौ से अधिक युवा प्रतिभाग करेंगे। इसके साथ ही क्षेत्र के विभिन्न गांवों में शिविरों का आयोजन कर लोगों को संस्कृत भाषा में वार्तालाप के प्रति प्रेरित किया जाएगा। इस मौके पर संस्थान के छात्र-छात्राओं की ओर से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी गई। समारोह में केंद्रीय लोनिवि के अधीक्षण अभियंता आरपी यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष शुभांगी कोटियाल, विक्रम चौहान, राकेश भट्ट, कृष्णकांत कोटियाल, प्रो. बननाली विस्वाल, डा. मनीष जुगरान, डा. शैलेंद्र नारायण, डा. विरेंद्र बर्त्वाल, डा. निपुण चौधरी, ओम शर्मा, विकास गुप्ता व पल्लवी बंदोलिया आदि मौजूद थे।

22/03/2017
हिन्दुस्तान

संस्कृत की देन है भारतीय संस्कृतिः भारद्वाज

देवप्रयाग | हमारे संवाददाता

वार्षिकोत्सव

- धूमधाम से मना रघुनाथ कीर्ति परिसर का वार्षिकोत्सव
- परिसर की पत्रिका रघुनाथ वार्तावली का लोकार्पण

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग का प्रथम वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर परिसर की पत्रिका रघुनाथ वार्तावली के पहले अंक का लोकार्पण किया गया।

मंगलवार को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग के वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि केंद्रीय लोक निर्माण विभाग उत्तराखंड के मुख्य अभियंता एससी भारद्वाज ने कहा कि भारतीय संस्कृति संस्कृत की देन है।

देवप्रयाग का यह संस्कृत संस्थान भविष्य में संस्कृत के प्रचार-प्रसार का अग्रणी केंद्र बनेगा। कहा कि 92 करोड़ का प्रस्ताव संस्थान के शुरूआती निर्माण के लिए केंद्र सरकार को भेजा गया है।

परिसर के प्राचार्य प्रो. केबी सुब्बारायुडू ने कहा कि देवप्रयाग के विद्वानों ने वर्षों पूर्व जो संकल्प लिया था वह संस्थान निर्माण से साकार हो रहा है।

यहां लोनिवि अधीक्षण अभियंता आरपी यादव, विक्रम चौहान, राकेश भट्ट, नपं अध्यक्ष शुभांगी कोठियाल, कृष्णकांत कोठियाल, प्रो.व्रनमाली विस्वाल, डॉ. मनीष जुगरान थे।

20/04/2017 हिन्दुस्तान

संस्थान के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में चलेंगे डिप्लोमा कोर्स

संस्कृत संस्थान में सबको छात्रवृत्ति

सुविधा

श्रीनगर | हमारे संवाददाता

देश के 13वें राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में इंटरमीडिएड, बीए, एमए और पीएचडी करने वाले छात्रों को निःशुल्क शिक्षा मिलेगी।

निःशुल्क शिक्षा ही नहीं बल्कि संस्थान में पढ़ने वाले हरके छात्रों को छात्रवृत्ति मिलेगी। संस्कृत विषय के विभिन्न कोर्स में पीएचडी करने के लिए बाहरी प्रदेशों में जाने वाले छात्र अब श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर से पीएचडी कर पाएंगे। नये शिक्षा सत्र के लिए परिसर में 15 जून से एडमिशन प्रक्रिया शुरू होगी।

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर के प्राचार्य प्रो.केबी सुब्बरायुडू ने बताया कि आगामी सत्र से ज्योतिष, वास्तु और योग के डिप्लोमा कोर्स शुरू होगे। यहीं नहीं सत्र 2018-19 से ओपन यूनिवर्सिटी की तर्ज पर डिस्टेंस एजुकेशन कोर्स (दूरस्थ शिक्षा) भी चलाया जायेगा।

कहा कि एमएचआरडी के अधीन विगत वर्ष जून माह में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के 13वें परिसर के रुप में श्री रघुनाथ कीर्ति संस्थान (डीम्ड यूनिवर्सिटी) की स्थापना हुई। है। कहा कि वर्तमान में परिसर में प्राक्शास्त्री (कक्षा 11-12), शास्त्री (ग्रेजुएशन), आचार्य (पोस्ट ग्रेजुएट) और पीएचडी संचालित हो रही है। आचार्य स्तर पर संस्कृत साहत्यि, व्याकरण, ज्योतिष, वेद और दर्शनशास्त्र कोर्स संचालित हो रहे हैं।

जबकि शास्त्री स्तर पर उक्त विषयों के साथ ही शारीरिक शिक्षा, अंग्रेजी, हिंदी, इतिहास व कंप्यूटर शिक्षा दी जा रही है।

परिसर में बीएड कोर्स को संचालन की भी योजना है। इस मौके पर हिंदी प्रवक्ता डॉ. वीरेन्द्र बर्त्वाल, कंप्यूटर शिक्षक पंकज कोठियाल मौजूद थे।

संस्थान से संबंधी जानकारी छात्र या अभिभावक वेबसाइट-डब्लूडब्लूडब्लू.एसआरकेकैंपस.ओआरजी से भी ले सकते हैं। संस्थान मे इस तरह के कोर्स होने से छात्रों को इसका लाभ मिलेगा और इसके लिए बाहरी प्रदेशों के चक्कर भी नहीं काटने पड़ेगे। इसका उत्तराखंड के छात्रों को लाभ मिलेगा।

एडमिशन

- राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान में निशुल्क होंगे कोर्स
- प्राचार्य बोले, 15 जून से शुरू हो जाएंगे दाखिले

23 एकड़ में बनेगा संस्थान का परिसर

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के परिसर का निर्माण 23 एकड़ भूमि पर किया जायेगा। जिसकी कुल लागत 110 करोड़ रुपये है। जिसमें एकेडमिक ब्लाक, प्रशासनिक ब्लॉक, हॉस्टल, सुरक्षा दीवार, स्टाफ क्वार्टर, गेस्ट हाउस, डस्टिंस एजुकेशन भवन, प्रेक्षागृह, स्टेडियम और हेलीपेड का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि तीन सालों के भीतर संस्थान बेहतर बन जायेगा। अभी संस्थान में कुल 45 छात्र अध्ययनरत है। संस्थान में लगभग 600 बैड का छात्रावास बनाया जायेगा।

20/04/2017 अमर उजाला

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में चलेंगे सर्टिफिकेट कोर्स

परिसर के प्राचार्य प्रो. सुब्बरायुडू ने पत्रकारवार्ता में दी जानकारी

श्रीनगर (ब्यूरो)। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के देवप्रयाग में स्थित श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में आगामी सत्र से ज्योतिष, वास्तु और योग के छह माह के सर्टिफिकेट कोर्स संचालित होंगे। जबकि अगले सत्र से परिसर में डिस्टेंस एजूकेशन (दूरस्थ शिक्षा) कोर्सेज चलने लगेंगे। यह जानकारी परिसर के प्राचार्य प्रो. केबी सुब्बरायुडू ने पत्रकारों को दी।

बुधवार को पत्रकारों से वार्ता करते हुए प्राचार्य प्रो. केबी सुब्बरायुडू बताया कि गत वर्ष जून माह में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के 13 वें परिसर के रुप में श्री रघुनाथ कीर्ति संस्थान की स्थापना हुई। यह संस्थान मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन डीम्ड यूनिवर्सिटी है।

संपर्क करें - 01378-266028, 9412957124
वेबसाइट - www.srkcampus.org

वर्तमान में परिसर में प्राक्शास्त्री (कक्षा 11 व 12), शास्त्री (ग्रेजुएशन), आचार्य (पोस्ट ग्रेजुएट) और पीएचडी संचालित हो रही है। साथ ही आचार्य स्तर पर संस्कृत साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, वेद और दर्शनशास्त्र कोर्स संचालित हो रहे हैं। जबकि शास्त्री स्तर पर उक्त विषयों के साथ ही शारीरिक शिक्षा, अंग्रेजी, हिंदी, इतिहास व कंप्यूटर शिक्षा भी जा रही है। उन्होंने बताया कि भविष्य में परिसर में बीएड कोर्स को संचालित करने की योजना है। पत्रकार वार्ता में हिंदी लेक्चरार वीरेंद्र बर्त्वाल व कंप्यूटर प्राध्यापक पंकज कोटियाल भी मौजूद थे।

तीन साल में हो जाएगा संस्थान का निर्माण

श्रीनगर। श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर का निर्माण पौड़ी जिले के देवप्रयाग में 23 एकड़ भूमि में हो रहा है। इसकी लागत 110 करोड़ रुपये रखी गई है। इस धनराशि से एकेडमिक ब्लाक, एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लाक, हॉस्टल, सुरक्षा दीवार, हेलीपैड आदि का निर्माण होना है। प्राचार्य प्रो. सुब्बरायुडू ने बताया कि जुलाई तक स्टेडियम का निर्माण पूरा हो जाएगा। जबकि सुरक्षा दीवार का निर्माण इसी माह में पूरा होगा। वित्तीय वर्ष 2017-18 में निर्माण के लिए 33 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। तीन साल में परिसर तैयार हो जाएगा।

07/05/2017 हिन्दुस्तान

देवप्रयाग में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान परिसर के भवन का शिलान्यास

संस्कृत भाषा को मिलेगा बढ़ावा : राज्यपाल

देवप्रयाग | हमारे संवाददाता

राज्यपाल डॉ. कृष्णकान्त पॉल ने शनिवार को देवप्रयाग में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग के शैक्षिणक भवन और स्टेडियम का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि संस्थान संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने वाला उत्तर भारत का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

राज्यपाल ने कहा कि आज बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही प्रदेश का राष्ट्रीय संस्कृत परिसर का शिलान्यास शुभ संकेत हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संस्थान की सम्पूर्ण उत्तरभारत में शोध और अध्ययन के क्षेत्र में अहम भूमिका रहेगी। आज संस्कृत भाषा को लोग भूलते जा रहे हैं हर व्यक्ति को इसको आगे बढ़ने के लिये आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा को आम लोगों तक पहुंचाने के लिये अन्य भाषाओं में अनुवाद करने की कोशिश की जानी चाहिये। कंप्यूटर के क्षेत्र में भी संस्कृत की महत्ता और गणित को वैज्ञानिको ने भी माना है।

विधायक देवप्रयाग विनोद कण्डारी और विधायक पौड़ी मुकेश कोली ने कहा कि संस्कृत परिसर की स्थापना क्षेत्रीय विकास में नया आयाम प्रदान करेगी। इस मौके पर राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वरानन्द शास्त्री, प्राचार्य प्रो केबी सुब्बारायडू, डॉ.बाल मुरुगन, प्रो. बनमाली विश्वाल ने राज्यपाल और मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। स्थानीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने संस्कृत भाषा में गीत और संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में डीएम पौड़ी सुशील कुमार, एसएसपी मुख्तार मोहिसिन, डॉ वीरेंद्र बर्तवाल, डॉ शेलेन्द्र उनियाल, डॉ मुकेश, डॉ मनीष जुगराण मौजूद रहे।

500 करोड़ से बनेगा भवन और स्टेडियम

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के 13वें परिसर का भवन 500 करोड़ की लागत से बनेगा। प्रथम चरण में शैक्षिक भवन 18.32 करोड़ तथा स्टेडियम का 1.78 करोड़ की लागत से निर्माण होगा। केंद्रीय लोनिवि के मुख्य अभियंता एससी भात्रद्वाज ने बताया कि शैक्षिक भवन में 25 कक्ष-कक्षा, 8 लैब और कार्यालय बनेंगे। जबकि स्टेडियम में 200 मीटर का राउंड ट्रैक का निर्माण किया जाएगा। उत्तराखंड में आपदाओं को देखते हुए परिसर में बनने वाले बहन भूकम्परोधी बनाये जाएंगे। यह कार्य 18 महीने में पूरा किया जाएगा।

देवप्रयाग में शनिवार को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के परिसर भवन का राज्यपाल ने शिलान्यास किया। ● हिन्दुस्तान

08/05/2017 अमर उजाला

छात्रावास में संस्कृत संभाषण प्रशिक्षण

देवप्रयाग (ब्यूरो)। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग के छात्रावास में 10 दिवसीय आवासीय संस्कृत भाषा बोधन वर्ग चल रहा है। इसमें संस्कृत संस्थान, हैदराबाद गुरुकुल व देवप्रयाग के लोगों के साथ ही संस्थान के आधुनिक विषय के शिक्षक व कर्मचारी संस्कृत संभाषण का प्रशिक्षण ले रहे हैं।

परिसर के प्राचार्य केबी सुब्बारायुडु ने बताया कि राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के प्रचार एवं प्रसार के लिए भविष्य में देवप्रयाग नगर में 10 दिवसीय सरल संस्कृत संभाषण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ताकि लोग भी संस्कृत में धाराप्रवाह संभाषण कर सके। भाषा बोधक वर्ग के संयोजक डा. मनीष जुगरान ने बताया कि वर्ग में अत्याधुनिक संभाषण पद्धति, खेल ,गीत व प्रत्यक्ष विधि के माध्यम से संस्कृत भाषा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वर्ग में मुकेश कुमार, देवीलाल प्रजापत, मधुसूदन सती, विशाल भट्ट व नीरज शर्मा आदि प्रशिक्षण दे रहे हैं।

07/May/2017 Amar Ujala

संस्कृत का अहम केंद्र बनेगा श्री रघुनाथ कीर्ति संस्थान: पॉल

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान देवप्रयाग का शिलान्यास करते हुए राज्यपाल।

परिसर के शैक्षणिक भवन व स्टेडियम के शिलान्यास के मौके पर बोले राज्यपाल

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के 13 वें परिसर के प्रथम चरण के निर्माण कार्य का हुआ शुभारंभ

अमर उजाला ब्यूरो

देवप्रयाग।

राज्यपाल डा. कृष्णकांत पॉल ने राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर के शैक्षणिक भवन व स्टेडियम का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि संस्थान संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने वाला उत्तर भारत का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने संस्कृत भाषा में गीत और संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

शनिवार को राज्यपाल बदरीनाथ दर्शन के बाद सवा 12 बजे हेलीकाप्टॅर से यहां पहुंचे। देवप्रयाग में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के 13 वें परिसर के प्रथम चरण के निर्माण कार्य का राज्यपाल ने शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि आज संस्कृत भाषा को लोग भूलते जा रहे हैं। कंप्यूटर व गणित के क्षेत्र में संस्कृत की महत्ता को वैज्ञानिकों ने भी माना है। इस दौरान विधायक देवप्रयाग विनोद कंडारी और विधायक पौड़ी मुकेश कोली ने कहा कि संस्कृत परिसर की स्थापना क्षेत्रीय विकास को नया आयाम देगी। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वरानन्द शास्त्री ने कहा कि परिसर के निर्माण से तीर्थ को नई पहचान मिलेगी। परिसर के प्राचार्य प्रो. केबी सुब्बारायुडू, डा. बाल मुरुगन और प्रो. बनमाली विश्वाल ने राज्यपाल और मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर जिलाधिकारी सुशील कुमार, वरिष्ठ पुलिस अध्यक्ष मुख्तार मोहिसिन, डा. वीरेंद्र बर्त्वाल, डा. शैलेंद्र उनियाल, डा. मुकेश और डा. मनीष जुगरान आदि मौजूद थे।

500 करोड़ से बनेगा परिसर

देवप्रयाग। श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर का निर्माण 500 करोड़ की लागत से होगा। कार्यदायी संस्था केंद्रीय लोनिवि (सीपीडब्लूडी) के मुख्य अभियंता एससी भारद्वाज ने बताया कि शैक्षणिक भवन में 25 कक्ष कक्षा, 8 लैब और कार्यालय बनेंगे। स्टेडियम में 200 मीटर का राउंड ट्रैक का निर्माण किया जाएगा। 18 माह में निर्माण कार्य पूर्ण हो जाएगा।

अहम भूमिका निभाने वालों को भूले

देवप्रयाग। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के देवप्रयाग परिसर निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाली श्री रघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत महाविद्यालय प्रबंध समिति और पूर्व संस्कृत शिक्षा मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी को शिलान्यास कार्यक्रम में याद नहीं किया गया। संस्कृत महाविद्यालय समिति ने ही परिसर निर्माण क लिए भूमि भी दी। पूर्व संस्कृत शिक्षा मंत्री नैथानी ने 15 एकड़ भूमि राज्य सरकार से दिलवाई थी। समिति के उपप्रबंधक डा. प्रभाकर जोशी ने कहा कि ऐसे मौको पर उन्हें याद न करना गलत है।

07/10/2017 AMAR UJALA

हिंदी पखवाड़ा स्पर्धा में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में आयोजित हिंदी पखवाड़े में मौजूद प्रतिभागी।

देवप्रयाग। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में आयोजित हिंदी पखवाड़ा में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

शुक्रवार को विजेता प्रतिभागियों को कार्यक्रम के समापन पुरस्कार किया गया। स्वरचना में रोहित कोठारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि आचार्य प्रथम के पंकज ने दूसरा और बालकृष्ण सेमवाल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। चतुर्थ पुरस्कार प्राची नौटियाल को मिला। वाद-विवाद में पहला पुरस्कार पंकज को मिला। प्राची नौटियाल को दूसरा, शोभित नौटियाल को तीसरा रोहित कोठारी को चौथा स्थान मिला। शुद्ध लेखन में संदीप कोठारी ने प्रथम, श्यामदेव ने द्वितीय, नकुल ने तृतीय और पंकज ने चतुर्थ प्राप्त किया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे उत्तराखंड संस्कृत विवि के हिंदी एवं भाषा विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर दिनेश चमोला ने कहा कि हिंदी हमारी पहचान है। कार्यक्रम का संचालन आचार्य प्रथम वर्ष के पंकज ने किया। मौके पर संस्थान के प्राचार्य प्रो. केबी सुब्बरायुडु, डा.आर. बालमुरुगन, प्रो. बनमाली बिश्वाल , डा. वीरेंद्र बर्त्वाल, डा. शैलेंद्र उनियाल, डा. अरविंद गौड़, डा. मुकेश शर्मा आदि मौजूद थे। ब्यूरो

07/10/2017
हिन्दुस्तान

स्वरचना में रोहित और शुद्ध लेखन में संदीप अव्वल

देवप्रयाग | हमारे संवाददाता

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में आयोजित हिंदी पखवाड़े का विधिवत समापन हो गया है। इस मौके पर पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

शुक्रवार को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में आयोजित हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन उत्तराखंड संस्कृत विवि के भाषा विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश चमोला ने किया। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल मात्र एक भाषा ही नहीं है, बल्कि यह हर भारतीय की पहचान है। साथ ही यह हमारी संस्कृति, भावनाओं व इतिहास की परिचायक भी है। संस्थान के प्राचार्य प्रो. केबी सुब्बारायडू ने कहा कि संस्कृत का गहन अध्ययन करने के बाद भी संस्थान के विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति गहरा अनुराग है। पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिता स्वरचना में रोहित कोठारी, पंकज, बालकृष्ण सेमवाल, वाद-विवाद में पंकज, प्राची नौटियाल, शोभित नौटियाल, रोहित कोठारी, शुद्ध लेखन में संदीप कोठारी, श्यामदेव, नकुल क्रमश प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। मौके पर प्रो. वनमाली विश्वाल, डॉ. आर बालमुरुगन, डॉ. शैलेंद्र उनियाल, डॉ. अरविंद गौड़, डॉ. मुकेश शर्मा, डॉ. सुरेश शर्मा, पंकज कोटियाल, डॉ. वीरेंद्र बर्तवाल आदि मौजूद रहे।

27/08/2017
हिन्दुस्तान

राज्यस्तरीय संस्कृत स्पर्धाएं 8 नवंबर से

देवप्रयाग। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में राज्यस्तरीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा। संस्थान प्राचार्य प्रो. केबी सुब्बारायडू ने बताया कि प्रतियोगिता में विविध शास्त्रों की 10 भाषण स्पर्धाओं के साथ ही 7 शलाका स्पर्धा होगी।

10/Nov/2017 अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

श्रीनगर।

केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री सत्यपाल सिंह ने कहा कि एनआईटी उत्तराखंड के स्थायी कैंपस के निर्माण के लिए बजट की कमी नहीं होगी, बशर्ते राज्य सरकार जल्द ही भूमि उपलब्ध कराए।

एचआरडी मंत्री श्रीनगर स्थित एनआईटी के अस्थायी कैंपस में पहुंचे थे। यहां उन्होंने एनआईटी व स्थानीय प्रशासन से भूमि की जानकारी ली। एनआईटी के नवनियुक्त निदेशक प्रो. एसएल सोनी ने बताया कि सुमाड़ी में भूमि चयनित की गई है, लेकिन वहां बादल फटने का खतरा है। केंद्रीय गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. जेएल कौल ने अनुरोध किया कि चौरास स्टेडियम की सुरक्षा के लिए 50 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने एनआईटी प्रेक्षागृह में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि स्थायी कैंपस के लिए जरूरी नहीं है कि 300 एकड़ भूमि की जरूरत हो। पहाड़ में 50 एकड़ में भी संस्थान का निर्माण हो सकता है। केंद्रीय मंत्री ने उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह को बड़ी जगह उपलब्ध कराने को कहा।

देवप्रयाग में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के आवासीय परिसर का शिलान्यास करते एचआरडी मंत्री सत्यपाल सिंह।

2019 तक पूरा होगा परिसर का निर्माण कार्य

देवप्रयाग। मानव संसाधन राज्यमंत्री डा. सत्यपाल सिंह ने 92 करोड़ की लागत के राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान परिसर की आधारशिला रखी। 2019 तक परिसर का निर्माण पूरा होगा। मंत्री ने कहा कि वह उत्तराखंड में संस्कृत को द्वितीय नहीं बल्कि प्रथम राजभाषा के रुप में देखना चाहते है। उन्होंने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 300 ऑनलाइन कोर्स शुरू किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा संस्कृत भाषा ही सभी भाषाओं की जननी है। आने वाला समय संस्कृत का होगा। विधायक विनोद कंडारी की ओर से देवप्रयाग और कीर्तिनगर में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग की गई, जिस पर उन्होंने विधायक से प्रस्ताव भेजने को कहा। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डा. धन सिंह रावत ने पहाड़ों में एनआईटी, डीम्ड विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों के खोले जाने की जरूरत बताई। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. केबी सुब्बारायुडु, पौड़ी विधायक मुकेश कोली, सहित संस्थान के शिक्षकों व छात्रों ने मंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में संस्थान की ओर से प्रकाशित ग्रंथों और पत्रिकाओं का भी केंद्रीय राज्य मंत्री की ओर से लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में आरपी यादव, आरसी शर्मा, एसएस रावत, डा. आर बालमुर्गन, डा. मुकेश शर्मा आदि मौजूद थे। ब्यूरो

शिलान्यास के बाद परिसर में निर्माण कार्य शुरू

देवप्रयाग। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के श्रीरघुनाथ परिसर का विधिवत शिलान्यास होने के बाद यहां छात्रावास, प्रशासनिक व शैक्षिक भवन सहित आडिटोरियम और पुस्तकालय का विधिवत निर्माण शुरू हो गया है। गंगातट से सटे नृसिंगा पर्वत की 23 एकड़ भूमि में 92 करोड़ की लागत से परिसर का निर्माण किया जाएगा। केंद्रीय लोनिवि के मुख्य अभियंता एससी भारद्वाज ने बताया कि यहां 590 विद्यार्थियों का छात्रावास बनेगा, जिसमें 295 बालक 295 बालिका रहेंगे। निर्माण के प्रथम चरण में 10 कक्षा कक्षों का निर्माण शुरू कर दिया गया है। ब्यूरो

12/Nov/2017
अमर उजाला

साहित्य भाषण में रघुनाथ कीर्ति परिसर के पंकज प्रथम

देवप्रयाग। राज्य स्तरीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित साहित्य भाषण में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग के पंकज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सांख्य योग भाषण में श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय हरिद्वार के राजेश चंद्र पोखरिया पहले स्थान पर रहे।

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का समापन हो गया है। प्रतियोगिता में आयोजित ज्योतिष भाषण स्पर्धा में श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर के नीरज कुमार; ज्योतिष शलाका में दिशांत शर्मा व धर्मशास्त्र भाषण में गंगा शरण प्रथम रहे। साहित्य श्लाका में श्री भगवानदास के भुवनेश व व्याकरण श्लाका में वैदिक कन्या गुरुकुलम पतंजलि योगपीठम हरिद्वार की देवकी साहू प्रथम रही। वेदांत श्लाका में वैदिक कन्या गुरुकुलम की राधिका प्रथम और पुराणेतिहास श्लाका में संगीता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

शास्त्रार्थ विचार में श्री रघुनाथ कीर्ति के देवेंद्र पोखरियाल, अमरकोश कंठ पाठ में श्रीम्ददयानंद आर्षज्योतिर्मठ गुरुकुलम के कैलाश, अष्टाध्यायी कंठपाठ में श्री रघुनाथ कीर्ति की प्राची नौटियाल, धातु रूप कंठ पाठ में श्रीमद्दयानंद आर्षज्योतिर्मठ के सारांश, भगवत गीता कंठ पाठ में संस्कृत गुरुकुलम, देवप्रयाग के नारायण, समस्या स्मूर्ति स्पर्धा में श्री रघुनाथ कीर्ति के पंकज प्रथम व अक्षर श्लोकी स्पर्धा में श्रीमद्दयानंद आर्षज्योतिर्मठ गुरुकुलम के सत्यप्रकाश पहले स्थान पर रहे। शास्त्रीय स्फूर्ति स्पर्धा में श्री रघुनाथ कीर्ति के हरीश डंगवाल और देवेंद्र पोखरियाल की जोड़ी प्रथम रही। ब्यूरो

12/Nov/2017
हिन्दुस्तान

रघुनाथ कीर्ति परिसर में संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता आयोजित

भाषण में पंकज धर्मशास्त्र में गंगा शरण रहे प्रथम

देवप्रयाग | हमारे संवाददाता

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान देवप्रयाग के रघुनाथ कीर्ति परिसर में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में साहित्य, योग, धर्मशास्त्र, ज्योतिष सहित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

शनिवार को रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में आयोजित राज्य स्तरीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि लोनिवि के एई आनंद भंडारी ने किया। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए, इसमें ही सफलता के बीज निहित होते हैं।

आयोजित स्पर्धाओं के तहत साहित्य भाषण में पंकज, राजेश कुमार, सांख्य योग में राजेश चंद्र पोखरिया, रीता, बालकृष्ण, धर्मशास्त्र में गंगा शरण, ज्योतिष भाषण में नीरज कुमार, ज्योतिष शलाका में दिशांत शर्मा, साहित्य शलाका में भुवनेश, मनीष, व्याकरण शलाका में देवकी साहू, वेदांग शलाका में राधिका, पुराणेतिहास में संगीता विजेता रहे।

, शास्त्रार्थ विचार में देवेंद्र पोखरियाल, हरीश डंगवाल, अमरकोष कंठ पाठ में कैलाश, ऋचा, राम तिवाड़ी, अष्टाध्यायी कंठपाइ में प्राची नौटियाल, सरिता, भानुप्रताप आर्य, धातु रुप कंठ पाठ में सारांश, रंजना, आशीष बहुखंडी को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान मिला। भगवत गीता कंठ पाठ नारायण, अमन, समस्या स्पूर्ति स्पर्धा में पंकज, राजेश पोखरिया, आकाश आर्य, अक्षर श्लोकी स्पर्धा में सत्यप्रकाश, अनिल भट्ट, दुर्गेश प्रसाद, क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे।

इस मौके पर प्राचार्य प्रो. केबी सुब्बारायडू, डॉ. विनोद दीक्षित, प्रो. वाईएस रमेश, प्रो. बनमाली विश्वाल, डॉ. निरंजन मिश्र, आर बालमुरुगन, प्रफुल्ल गड़पाल, मुकेश कुमार, अरविंद गौर, वीरेंद्र बर्तवाल, शैलेंद्र उनियाल, सुरेश शर्मा, अशोक जोशी, पंकज, श्रीओम शर्मा, मनीष जुगरान आदि मौजूद रहे।